Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 21-04-2005

Participants : Sangwan Shri Kishan Singh

Title: Need to provide assistance and encouragement to other sports besides Cricket in the country.

श्री किशन सिंह सांगवान : अध्यक्ष महोदय, सरकार और बहुराट्रीय कंपनियां देश में क्रिकेट को इतना बढ़ावा दे रही हैं कि दूसरे सभी खेल इसके सामने बौने बनकर रह गए है, छोटे पड़ गए हैं। इस कारण देश के हजारों और लाखों अन्य खेलों को खेलने वाले खिलाड़ी अपने को दो नंबर का खिलाड़ी समझने लग गए हैं। क्रिकेट का खेल कॉमर्श्यल हो गया है। क्रिकेट खेलना व्यापार बन गया है और यह खेल व्यापारियों का खेल बनता जा रहा है। इस पर दुनियाभर में लाखों-करोड़ों रुपए के सट्टे लगते हैं। क्रिकेट खिलाड़ी मैदान में क्रिकेट खेलने में कम और विज्ञापनों में ज्यादा रुचि लेने लग गए हैं। इस कारण देश के अन्य खेलों के खिलाड़ी अपने को बहुत आहत महसूस कर रहे हैं।

महोदय, क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों को कोई प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। गिने-चुने देश हैं जो क्रिकेट के शौकीन हैं। इनमें चीन, जापान, अमरीका आदि देश हैं जो इसमें ज्यादा रुचि नहीं लेते हैं और ये ही देश खेलों में ज्यादा पदक प्राप्त करते हैं। हमारा देश खेलों में इन देशों के मुकाबले बहुत पीछे है और इक्के-दुक्के पदक ही प्राप्त करता है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि सरकार क्रिकेट के अलावा दूसरे खेलों को भी बराबर का दर्जा दे ताकि दूसरे खेलों को भी बढ़ावा मिले और उन्हें खेलने वाले खिलाड़ी अपने को सम्मानित महसूस करें। अकेले क्रिकेट से इस देश का भला होने वाला नहीं है। यही मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है।